मेरे शराबी पिताजी

निकी डेली

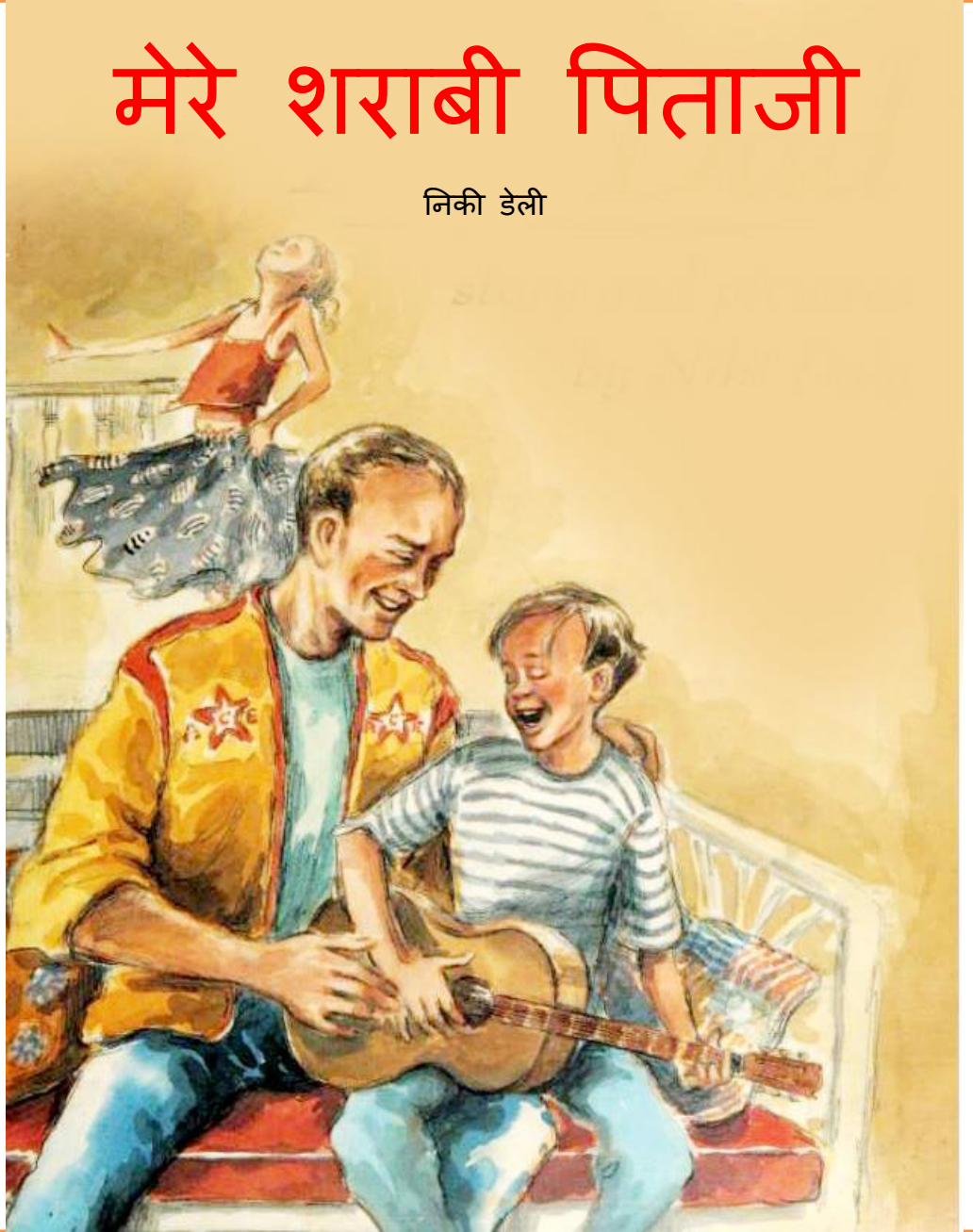

हर शुक्रवार की रात मेरे पिताजी दारु पीते हैं और अपने दोस्तों के साथ जश्न मनाते हैं. बाद में माँ और उनके बीच बहस और लड़ाई होती है. उनका बेटा, जो यह कहानी बयां कर रहा है, और उसकी छोटी बहन, ग्रेसी, पिताजी के इस व्यवहार से शर्मिंदा हैं.

बच्चों को शो करना पसंद है. ग्रेसी नाचती है और युवा कथाकार अपना वो गिटार बजाता है जिसे पिताजी ने उसके लिए ही बनाया है. उन्होंने शुक्रवार-रात के स्कूल संगीत कार्यक्रम में भाग लेने के लिए घर पर गुप्त रूप से पूर्वाभ्यास किया क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनके पिता को उस कार्यक्रम के बारे में पता चले. क्योंकि अगर पिताजी शुक्रवार की रात के कार्यक्रम में पहुँचते को पूरा स्कूल उनकी असलियत से वाकिफ हो जाता. लेकिन किसी तरह पिताजी को उस कार्यक्रम के बारे में पता चल जाता है, और जब बच्चे मंच पर होते हैं, तो वे पिताजी को दर्शकों में बीच में, जोर-जोर से और लापरवाही से बोलते हुए सुनते हैं, जिससे बच्चों का प्रोग्राम बर्बाद हो जाता है. उस रात बच्चों को अपने पिता के शराबी होने का पता चलता है, लेकिन पिताजी उस बीमारी को स्वीकार नहीं करते हैं. अंत में, पिताजी - अपने परिवार और एक "अल्कोहलिक एनोनिमस" (AA) संस्था के सदस्य के समर्थन से - अपनी बीमारी को स्वीकार करते हैं. फिर उन्हें वो सहायता मिलती है जिसकी उन्हें बेहद ज़रुरत है. वो मानते हैं कि अपने परिवार को साथ रखना उनके लिए दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण चीज है.

समृद्ध, विचारोत्तेजक चित्रों से सचित्र, शराब से प्रभावित एक परिवार के बारे में यह ईमानदार और स्पष्ट कहानी बहुत से लोगों के लिए महत्व और चिंता के विषय को संबोधित करती है.

मेरे शराबी पिताजी

निकी डेली

मेरे शराबी पिताजी

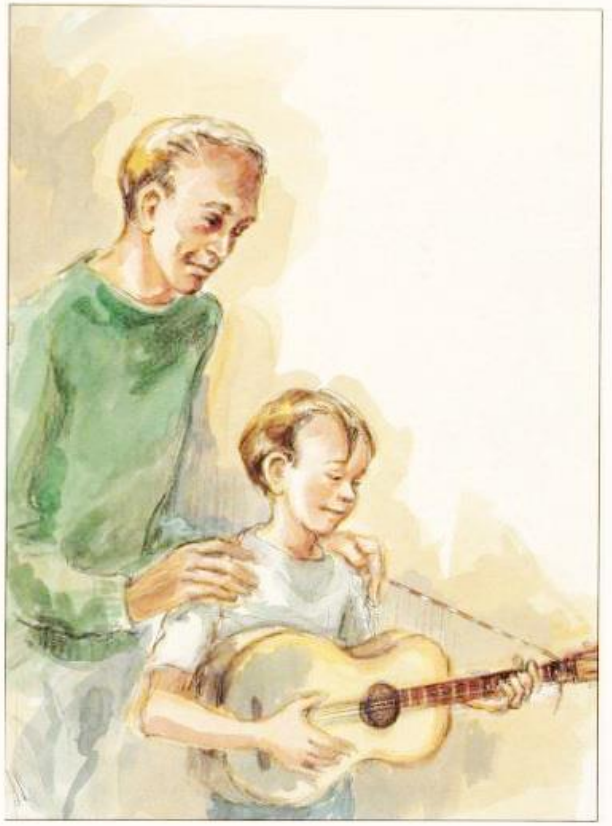

मेरे पिताजी रॉक 'एन' रोल करते हैं.

वो वाह-वाह करके मेरी आत्मा को आशीर्वाद देते हैं.

शुक्रवार की शाम थी और पिताजी शराब पीने के मूड में थे. खाली दारु की बोतलें और पिताजी के दोस्त, टेबल के चारों ओर जगह के लिए लड़ रहे थे. जब मैंने अंदर देखा, तो पिताजी ने मुझे एक मज़ेदार, मदहोश करने वाली मुस्कान दी.

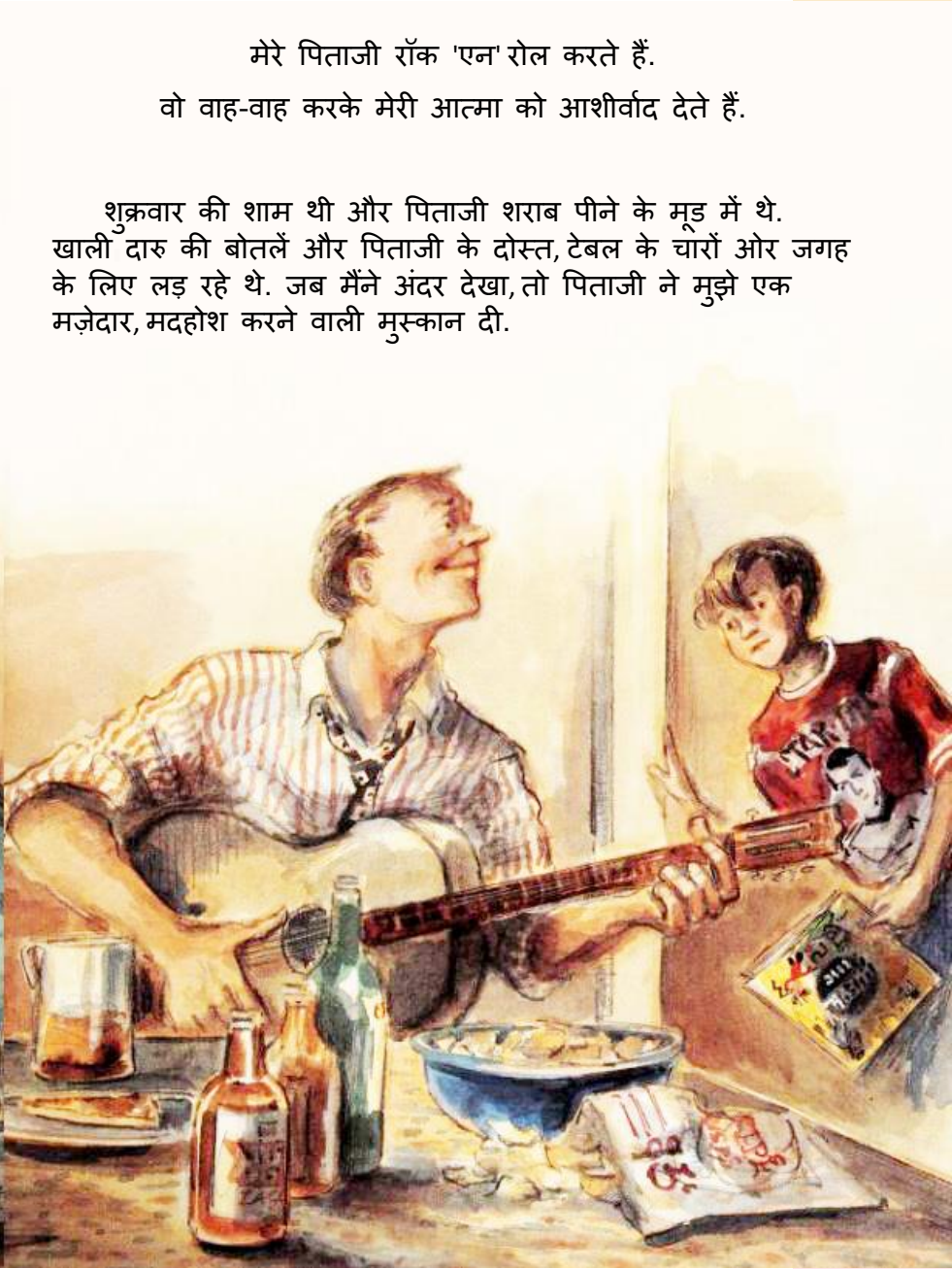

मुझे पिताजी पसंद हैं जब वो हंसमुख होते हैं, लेकिन जब वो शराब पीकर मदहोश और मूर्ख बातें करते हैं तो मैं उन्हें पसंद नहीं करता हूँ. लेकिन इस तरह का तमाशा हमेशा शुक्रवार की रात को होता है जब गायन और मजाक बंद हो जाता है और पिताजी के दोस्त सामने के दरवाजे से बाहर निकलते हैं.

मेरे पिताजी कहते हैं कि मेरे पास संगीत के लिए एक अच्छा कान है. मैंने उनसे कुछ राग सीखे हैं जिन्हें मैं उनके द्वारा बनाए गए गिटार पर गीतों में बदल सकता हूं.

मेरे पिताजी हाथ के काम में बहुत निपुण हैं. वो लकड़ी को उसी सरलता से काटते हैं जैसे वो डबलरोटी के स्लाइस काटते हैं. मैं अक्सर उन्हें काम करते हुए देखता हूं क्योंकि वो हर तरह की चीजें बनाने में माहिर हैं. उन्होंने माँ के गहनों के लिए एक विशेष फैंसी स्टैंड बनाया था. गर्मी के दिनों में लकड़ी, गोंद, बुरादे और पिताजी के शरीर की गंध से हमारे पिछवाड़े के शेड भरा रहता है.

पिताजी के लकड़ी के काम के साथ एकमात्र समस्या यह है: अगर कोई उनके काम की तारीफ़ करे, तो पिताजी उस व्यक्ति को वो लकड़ी की कलाकृति तुरंत भेंट कर देते हैं. घर से बाहर जाते समय जब लोग अपने साथ पिताजी का बनाया सामान लेकर जाते हैं वो माँ को अपनी जीभ काटनी पड़ती है - खासकर शुक्रवार की रात वाले दिन.

शुक्रवार की रात को अंधेरे में लेटे हुए, ग्रेसी और मैं अक्सर माँ और पिताजी को बहस और लड़ाई करते हुए सुनते हैं.

ग्रेसी और मुझे शो करना पसंद हैं. वो नाचती है और मैं अपना गिटार बजाता हूं और गाता हूं. पापा को हम दोनों पर बहुत गर्व है. वो कहते हैं कि ग्रेसी "उनकी आंख का तारा" है और मैं उसका "सनी-बॉय" हूं. पिताजी कहते हैं कि हमारे बिना वो बिलकुल खो जायेंगे.

"आप हमसे कितना प्यार करते हैं?" ग्रेसी ने एक बार पिताजी से पूछा.

"चीन में जितनी चाय है, उससे भी ज़्यादा," पिताजी ने उत्तर दिया.

"एक बोतल में समाई शराब से भी ज्यादा?" मैंने पूछ लिया. मैं पिताजी से सिर्फ मजाक कर रहा था, लेकिन पिताजी उदास और गुस्सा हो गए.

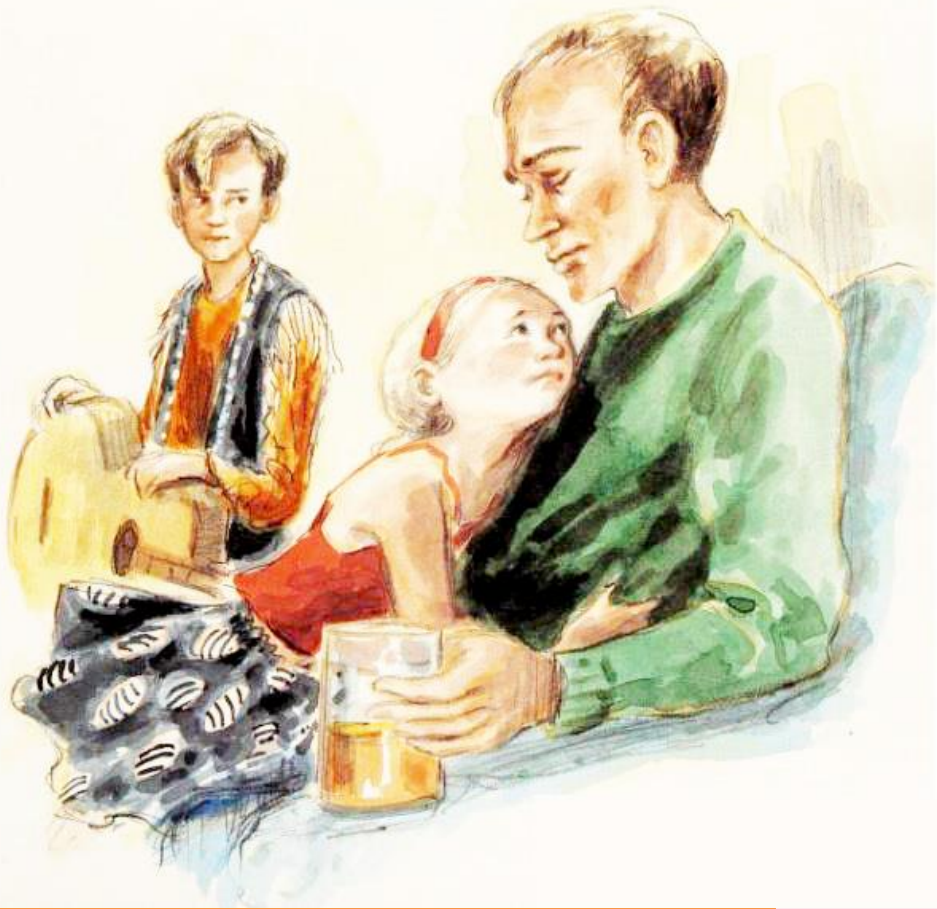

बाद में मैंने पिताजी को उनके शेड में पाया. वो लकड़ी के टुकड़े में ऐसे कील ठोक रहे थे, मानो वो उसे दंड दे रहे हों.

"पिताजी," मैंने घबराते हुए कहा, "मैंने जो कुछ कहा उसके लिए मुझे खेद है." फिर पिताजी ने कील ठोकना बंद कर दी, और फिर एक भयानक बात हुई. वो रोने लगे. वो बात मेरे लिए एकदम असहनीय थी. मुझे नहीं पता था कोई पिता इस तरह रो सकता था. वो फूट-फूट कर रोए मानो कोई आसमान फटकर और खुलकर बरस रहा हो. उनके इतने ज़्यादा आंसुओं ने मुझे डरा दिया.

"मैं नहीं बताऊंगा, पिताजी. मैं किसी को नहीं बताऊंगा," मैं बस पिताजी से इतना ही कह पाया.

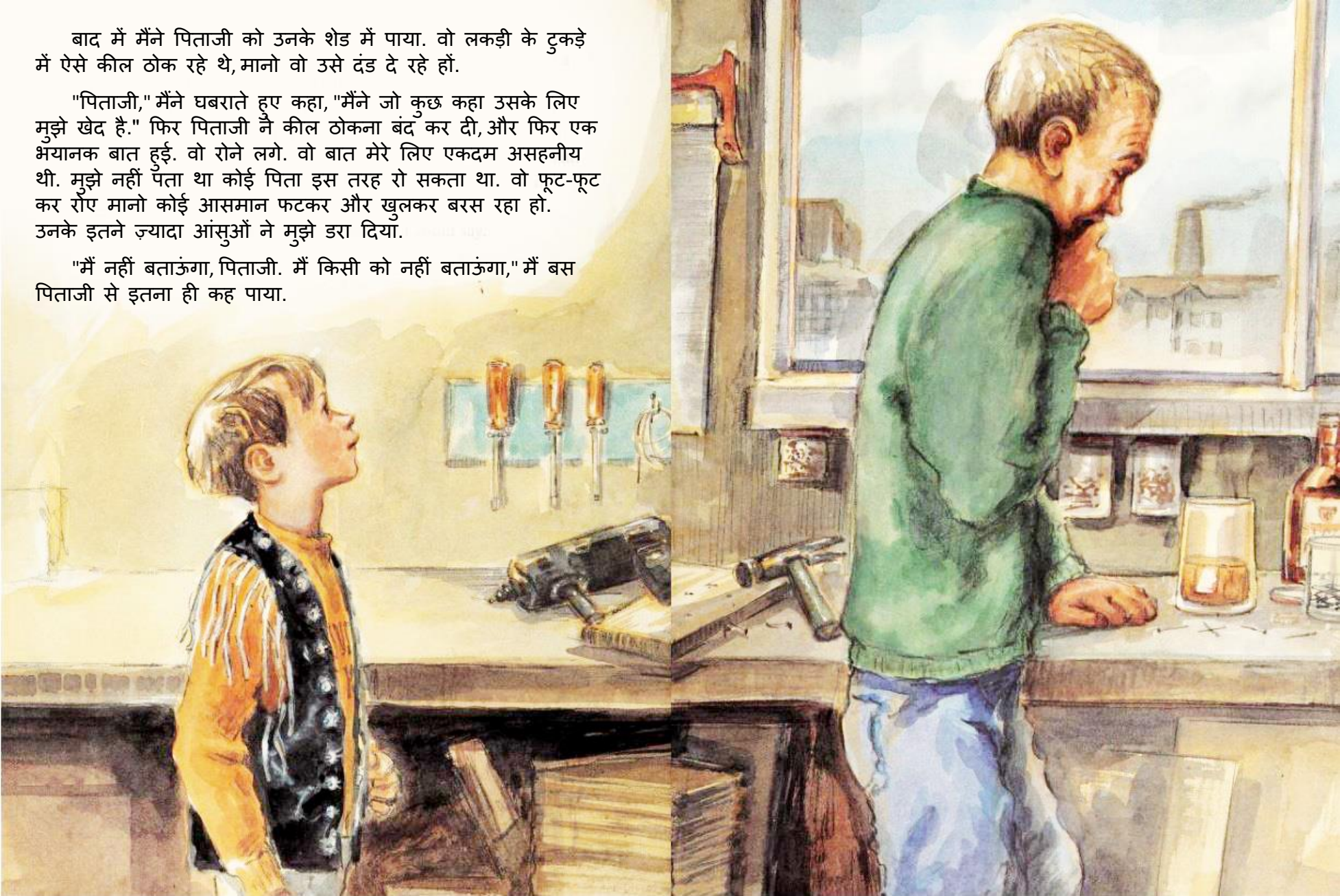

हमारे संगीत शिक्षक मिस्टर डिकी ने ग्रेसी और मुझ से शुक्रवार की रात के स्कूल संगीत कार्यक्रम में एक प्रोग्राम करने के लिए कहा. हम स्कूल ख़त्म होने के बाद रोज़ाना घर पर उसका रिहर्सल करते थे, लेकिन जैसे ही हम पिताजी को सामने के दरवाज़े से आते देखते हम तुरंत रुक जाते थे. हम नहीं चाहते थे कि हमारा स्कूल यह देखे कि शुक्रवार की रात को पिताजी की कैसी दशा होती थी. हम नहीं चाहते थे कि पिताजी को हमारे संगीत कार्यक्रम के बारे में पता चले.

अब धीरे-धीरे पिताजी का शराब पीना बद-से-बदतर होता जा रहा था. पिताजी और माँ में लगभग हर रात बहस और लड़ाई होती थी.

एक रात, ग्रेसी और मैं रसोई में तेज़ आवाज़ों को सुनकर उठे. हम उठे और धीरे-धीरे अंधेरे हॉल में गए. किचन की लाइट की चकाचौंध रोशनी में हमने देखा कि मम्मी और पापा एक बोतल को लेकर झगड़ रहे थे. माँ बोतल को सिंक में खाली करने की कोशिश कर रही थीं, जबकि पिताजी चिल्ला रहे थे, "मैं शराबी नहीं हूँ! मैं शराबी नहीं हूँ!"

जब हम वापस बिस्तर पर गए तो माँ ने हमें चादर उढ़ा कर सुला दिया. "शराबी कौन होता है, माँ?" मैंने उनसे पूछा.

"शारबी वो होता है जिसे कभी भी शराब नहीं पीनी चाहिए, क्योंकि शराब उसे और उसके परिवार को नुकसान पहुँचाती है," माँ ने जवाब दिया.

"क्या पापा शराबी हैं?" भयभीत स्वर में ग्रेसी ने पूछा.

"मुझे लगता है कि वो शराबी बन गये हैं," माँ ने कहा. "लेकिन मैं नहीं चाहती कि तुम लोग इसके बारे में चिंता करो."

लेकिन मैं चिंतित था - अपने पिता के शराबी बनने पर.

संगीत कार्यक्रम की रात को, पिताजी के घर आने से पहले ही हम स्कूल के लिए निकल पड़े. मंच के पीछे, माँ ने हमें शुभकामनाएं दीं.

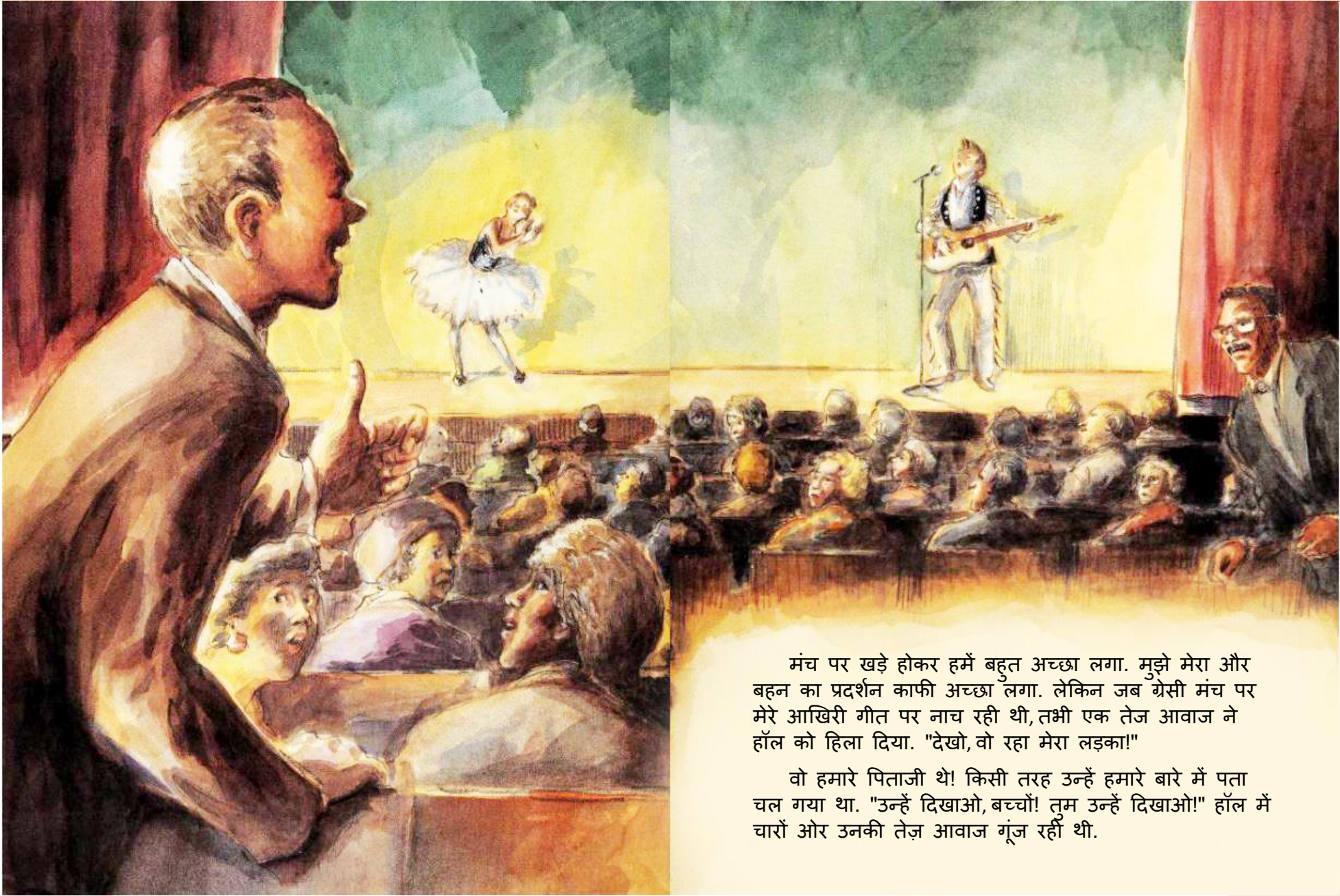

मंच पर खड़े होकर हमें बहुत अच्छा लगा. मुझे मेरा और बहन का प्रदर्शन काफी अच्छा लगा. लेकिन जब ग्रेसी मंच पर मेरे आखिरी गीत पर नाच रही थी, तभी एक तेज आवाज ने हॉल को हिला दिया. "देखो, वो रहा मेरा लड़का!"

वो हमारे पिताजी थे! किसी तरह उन्हें हमारे बारे में पता चल गया था. "उन्हें दिखाओ, बच्चों! तुम उन्हें दिखाओ!" हॉल में चारों ओर उनकी तेज़ आवाज गूंज रही थी.

मेरी उँगलियाँ सुन्न हो गईं और वो गिटार पर अपनी पकड़ खो बैठीं. फिर गीत के शब्द मेरे पेट में दफ़न हो गए और संगीत मुरझा गया. ग्रेसी के कदम लड़खड़ाने लगे, और फिर वो एक स्थान पर जम गई. उसकी आँखों के कोनों में आँसू झिलमिला रहे थे और वो अपने पैर की उंगलियों पर खड़ी थी जो किसी ओर भी इशारा नहीं कर रही थीं. मैंने उसका हाथ थाम लिया और उसे मंच से उतारा. मेरे दिमाग में केवल यही शब्द बचे थे, "मैं उनसे नफरत करता हूँ!"

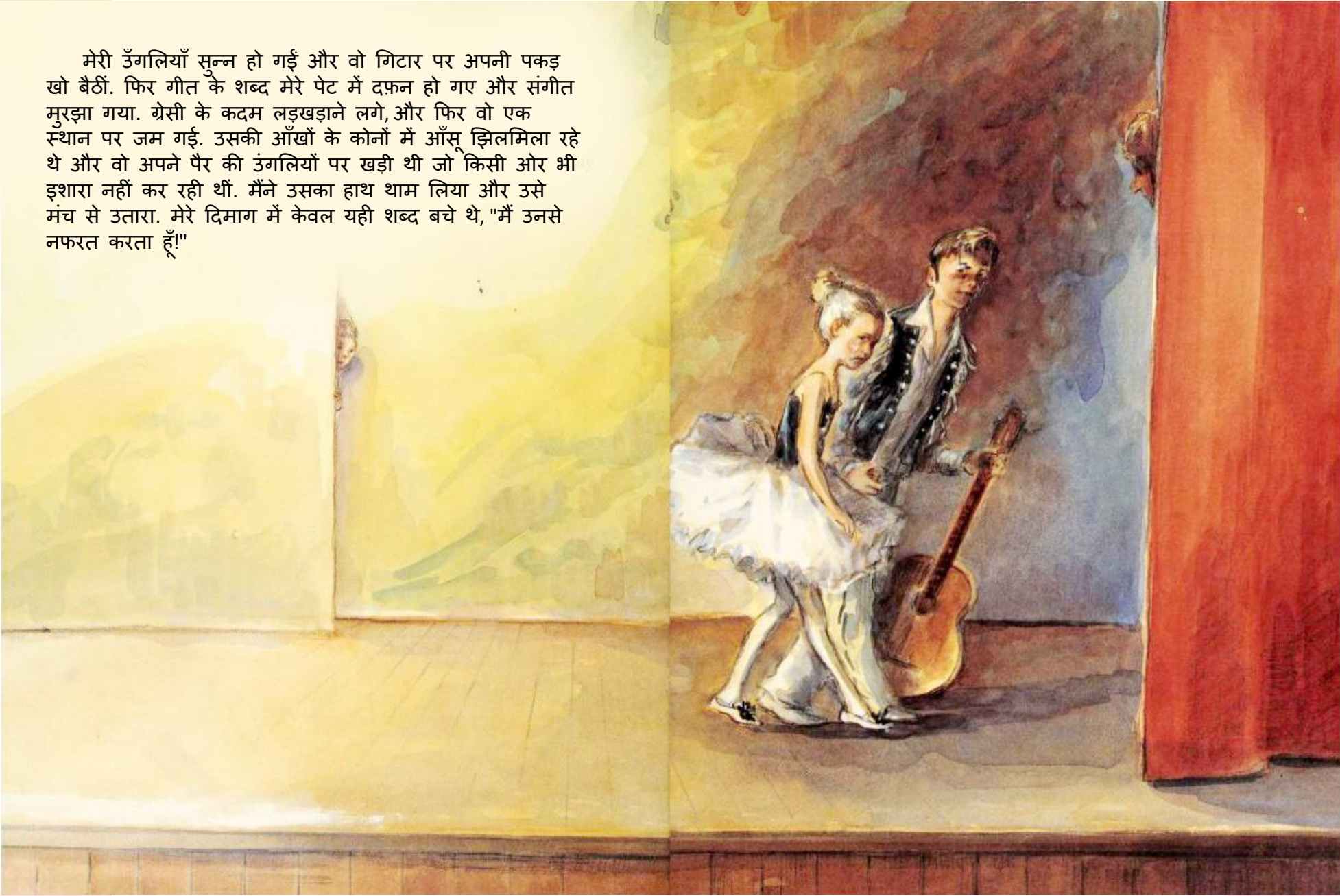

पिताजी को मिस्टर डिकी अपनी कार में घर लेकर गए, जबकि माँ, ग्रेसी, और मैं पैदल घर की ओर चले. माँ कहती रहीं, "हमें मदद की ज़रूरत है, हमें सच में मदद की ज़रूरत है." ग्रेसी और मैंने आपस में कुछ बात नहीं की. लेकिन मैंने खुद अपने ओर बहन दोनों के विचारों को महसूस किया - वे ठंडे और अकेले थे.

तब से, जब भी हम घर पर होते तब ग्रेसी और मैं खुद को बस उदास महसूस करते थे. मैं अपना गिटार उठाता और उसे बजाना शुरू कर देता.

मेरे पिताजी एक गिटार की तरह हैं जो अब अपनी चमक और धुन खो चुके हैं.

शायद यह पिताजी के शराब पीने के प्रति हमारी नफरत थी, या शायद पिताजी के लिए हमारा प्यार था, या फिर कुछ ऐसा था जो मिस्टर डिकी ने पिताजी को उस रात स्कूल के संगीत कार्यक्रम के बाद घर जाते समय बताया था. लेकिन उसके तुरंत बाद कुछ अच्छा हुआ. अपने दोस्तों के साथ शराब पीने के बजाए, पिताजी अब मिस्टर डिकी के साथ एक ऐसी जगह पर जाने लगे जहाँ पूर्व शराबी आपस में मिलते थे और एक-दूसरे की शराब छुड़ाने में मदद करते थे. माँ ने हमें बताया कि मिस्टर डिकी को भी कभी शराब पीने की समस्या थी जिसके कारण वे अल्कोहलिक एनोनिमस (AA) नाम की संस्था की बैठकों में जाते थे.

अब ऐसा लग रहा है कि पापा AA ज्वाइन करने की योजना बना रहे हैं. माँ के अनुसार पिताजी को शराब छोड़ने में बहुत समय लग सकता है और इस बीच, उन्हें हमारे पूरे प्यार और समर्थन की आवश्यकता होगी.

पिताजी कहते हैं कि उन्हें खेद है कि वो हमारे घर में इतना अंधेरा लाए. लेकिन अब वो जानते हैं कि वो बीमार हैं, और वो एक शराबी हैं. अब वो भी मिस्टर डिकी की तरह बेहतर होना चाहते हैं. माँ ने अपना हाथ पिताजी के कंधे पर रखा है.

"अब मुझे यह पता लगाना है कि मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीजें क्या हैं," पिताजी ने कहा.

और फिर उन्होंने हमारी ओर देखा.